हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, मंगलवार, 22 अप्रैल 2025

9 जिला पुलिस आयुक्त ने किया सदर थाना का औचक निरीक्षण

10 गुरुग्राम, नोएडा और प्रयागराज में बीआरजी का दबदबा

SANSKARAM GROUP OF SCHOOLS, JHAJJAR
India's Most Trusted School for Integrated Classroom Programme
IIT-JEE NEET NDA MNS CLAT CA-CS CUET SSC VVM VSSF
संस्कारम पब्लिक स्कूल से लेकर संस्कारम यूनिवर्सिटी तक – के.जी. से पी.एच.डी. तक की सम्पूर्ण शिक्षा !
BOARD Results 2024
2025-26 ADMISSION OPEN
RITIKA D/o DEVENDER JHAJJAR — CBSE CLASS XII Topper 99%
KANIKA D/o BALWAN KHERI KHUMMAR — CBSE CLASS X Topper 98.2%
CHIRAG S/o RAMBIR CHIMNI — CBSE CLASS X Topper 98.2%
JHAJJAR CAMPUS : NH.334B, Main Dadri Road, Khatiwas, Jhajjar, 8222889860, 8222889862 | PATAUDA CAMPUS : NH. 352, Patauda, Near Kulana, Jhajjar , 9053007801, 9053007802

खबर संक्षेप

आसंडा सरपंच को किया निलंबित

बहादुरगढ़। उपायुक्त प्रदीप दहिया ने हरियाणा पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा 51(1) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बहादुरगढ़ ब्लॉक के गांव आसंडा के सरपंच को निलंबित कर दिया है। बीडीपीओ की रिपोर्ट के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। निलंबन आदेशों के अनुसार सरपंच पर पुलिस चौकी मांडोठी में विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज है। जो नैतिक अधमता की श्रेणी में आता है। सरपंच पद के दुरुपयोग करने के भी आरोप है। इस मामले में उपायुक्त द्वारा जांच के आदेश भी दिए गए हैं। बहादुरगढ़ के एसडीएम को नियमित जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है।

समान नागरिक संहिता लागू करने की मांग

बहादुरगढ़। समाजसेवी यशपाल हिंदुस्तानी ने हरियाणा में समान नागरिक संहिता लागू करने की मांग की है। उनके अनुसार सभी नागरिकों के लिए समान कानून लागू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। यह समाज में समानता, न्याय और एकता को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक है। इससे धर्म के आधार पर भेदभाव खत्म होगा।

उपभोक्ता कष्ट निवारण फोरम की बैठक आज

बहादुरगढ़। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के उपभोक्ताओं की बिजली और बिल संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए उपभोक्ता कष्ट निवारण फोरम की बैठक मंगलवार 22 अप्रैल को कार्यकारी अभियंता के कार्यालय में होगी। बैठक में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक उपभोक्ताओं की शिकायतों का निदान किया जाएगा। बहादुरगढ़ के सभी सब-डिवीजन क्षेत्रों के उपभोक्ताओं की बिजली और बिल संबंधी समस्याओं (बिजली चोरी को छोड़कर) पर सुनवाई होगी।

ससुराल आए मां-बेटे की पिटाई

बहादुरगढ़। अपनी मां के साथ ससुराल में आए एक व्यक्ति को वधु पक्ष ने पीट दिया। गांव छपार निवासी मुनेश ने बताया कि उसकी शादी डाबोदा खुर्द निवासी ज्योति के साथ हुई थी। उसका पुत्र यश अपने नाना के घर डाबौदा खुर्द में रहता है। रविवार को मुनेश अपनी मां ओमपति के साथ यश को लेने गांव डाबौदा खुर्द आए थे। जब वे चलने लगे तो ससुराल पक्ष ने उसका रास्ता रोककर मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। दोनों को नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

गोली लगने के मामले में आरपी गिरफ्तार

बहादुरगढ़। थाना आसौदा पुलिस टीम ने छीना झपटी के दौरान लाइसेंस रिवाल्वर से गोली लगने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मनोज निवासी आसौदा ने शिकायत दी थी कि वह केएमपी हाईवे के ऊपर बने पार्किंग के नजदीक करीब 3 साल से ढाबा चला रहा है। वहां 14 व 15 अप्रैल की रात को उसके गांव आसौदा का प्रीतम आया और गाली गलोच करने लगा। उसका लड़का व दो अन्य लड़के भी डंडे लेकर आ गए और मनोज के लाइसेंसी रिवाल्वर को छीनने लगे। उसी समय गोली चलने से मनोज की हथेली में लग गई। पुलिस ने आसौदा निवासी प्रीतम को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

जनभागीदारी से 21 जगहों पर एक लाख से अधिक पौधे लगा चुका क्लीन एंड ग्रीन ट्रस्ट

धरती को उजाड़ रहे कई दुश्मन, पर्यावरण प्रहरी उगा रहे वन

सामुदायिक स्तर पर सक्रिय होकर पर्यावरण सुधार के लिए यदि जनभागीदारी से कार्य किए जाएं तो वे समाज के लिए प्रेरणा स्त्रोत बन जाते हैं।

रवींद्र राठी ▶▶ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। अवैध खनन के कारण खाई में तब्दील हुई उपजाऊ जमीन व एक साइट पर पौधे लगाते क्लीन एंड ग्रीन ट्रस्ट के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

अपने लालच की हवस को शांत करने के लिए माफिया धरती मां की कोख को खोखला करने में जुटा है। हर जगह प्रकृति का दोहन जारी है। कहीं खेतों में मिट्टी का खनन हो रहा है। कहीं बोरिंग के माध्यम से धरती से जल दोहन हो रहा है। कहीं पेड़ों की कटाई से पर्यावरण का संतुलन बिगाड़ा जा रहा है। वहीं दूसरी ओर सामुदायिक स्तर पर सक्रिय होकर पर्यावरण सुधार के लिए यदि जनभागीदारी से कार्य किए जाएं तो वे समाज के लिए प्रेरणा स्त्रोत बन जाते हैं। बहादुरगढ़ के क्लीन एंड ग्रीन ट्रस्ट ने भी शहर के कई उजाड़ भूखंडों को हरियाली में बदल दिया है।

जी हां, जिस पृथ्वी को हम मां का दर्जा देते हैं, उसे हम खुद अपने ही हाथों उजाड़ने में लगे हैं। बहादुरगढ़ के अनेक गांवों में सक्रिय खनन माफिया अधिकारियों से सांठगांठ करके मिट्टी खुदाई के कार्य में लगे रहते हैं। बामड़ोली, सोलधा, लोवा खुर्द व नया गांव आदि में खनन माफिया ने उपजाऊ भूमि पर भी कई-कई फुट गहरे गड्ढे बनाकर धरती को खोखला बना दिया है। दूसरी तरफ शहर के भीतर अवैध ट्यूबवेल से जल दोहन कर टैंकर के माध्यम से पानी बेचने का अवैध धंधा चल रहा है। झज्जर रोड व शहर के जलघर के निकट पानी माफिया के कई ठिकाने बने हुए हैं। औद्योगिक क्षेत्र में जहरीला केमिकल बोरिंग करके सीधे धरती में छोड़कर उसे जहरीला बनाया जा रहा है। हमें विश्व धरा दिवस पर इस कुकृत्य का संज्ञान लेने की जरूरत है। बता दें कि 22 अप्रैल 1970 को पहली बार पृथ्वी दिवस मनाया गया था। ताकि लोगों को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाया जा सके। संयुक्त राष्ट्र ने भी 2009 से 22 अप्रैल को विश्व पृथ्वी दिवस के रूप में मनाने की घोषणा कर दी।

बहादुरगढ़ में करीब 21 जगहों पर आमजन की मदद से एक लाख से अधिक पेड़ लगाकर क्लीन एंड ग्रीन ट्रस्ट ने मिसाल कायम की है। शहर में जहां भी ट्रस्ट के सदस्यों को खाली जगह मिलती है, तो वे पौधे रोप देते हैं। इतना ही नहीं पौधे लगाने के साथ नियमित पानी देना और उनकी देखभाल करते हैं। क्लीन एंड ग्रीन ट्रस्ट का गठन 2 अक्टूबर 2015 को हुआ था। बीते दस सालों में कुल 21 स्थानों पर एक लाख से अधिक पौधे लगा चुके ट्रस्ट ने 7 मेजर साइट्स विकसित की हैं। सेक्टर-13 की ग्रीन बेल्ट में औषधियों से भरपूर चरक पार्क बनाया।

इसी के साथ मियावाकी तकनीक से जंगल-वन डेवलप किया। बाइपास पर जंगल-थ्री तैयार किया। सेक्टर-7 वाली डिग्गी के निकट जंगल-टू बनाया। हालांकि यह खराब हो गया। सेक्टर-13 की डिग्गी के निकट फलों के पेड़ों से भरपूर जंगल-फोर विकसित किया। आईटीआई के पीछे चिरंजीवी पार्क बनाया। यहां बड़, पीपल और नीम पर फोकस किया गया। गोरैया के निकट एचएसआईआईडीसी की ग्रीन बेल्ट में पौधरोपण के साथ ही 3 अर्बन पोंड बनाए जा रहे हैं। ताकि पेड़ों के साथ पक्षियों को भी बसेरा मिले।

धरती मां की सेवा में जुटे

पर्यावरण प्रहरी डॉ. अजय जैन, वजीर सिंह दहिया, प्रदीप रेढू, चिरंजीवी लाल गुप्ता, धर्मवीर सिंह, मुकेश शर्मा आदि बहादुरगढ़ को सिर्फ हरियाली ही नहीं बल्कि उच्च संस्कार और नैतिकता का ज्ञान भी दे रहे हैं। उनके द्वारा लगाए गए फलदार और छायादार पेड़ पौधे बढ़ रहे हैं और लोगों को सकारात्मक संदेश दे रहे हैं। ये सभी दिन-रात पौधरोपण के जरिए धरती मां की सेवा में जुटे हैं। पौधे लगाने और उनकी देखभाल के साथ ही लोगों से प्लास्टिक छोड़ने की भी गुहार लगा रहे हैं। इंसानी जरूरतों की पूर्ति के लिए लगातार पेड़ों का कटाव हो रहा है और इसके कारण हमें प्राकृतिक आपदाएं भी झेलनी पड़ रही हैं। इनका कहना है कि पेड़ों को लगाने से पर्यावरण साफ होता है और आने वाली पीढ़ी के लिए यही सबसे बड़ी विरासत है।

एंटी करप्शन ब्यूरो टीम ने जन स्वास्थ्य विभाग के जेई को 48 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

रोहतक एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने जन स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत जेई को 48 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। एंटी करप्शन ब्यूरो के डीएसपी सोमबीर ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि झज्जर जन स्वास्थ्य विभाग में तैनात अंकित नामक जेई ठेकेदार का बिल पास करने के लिए रिश्वत की मांग कर रहा है।

- ठेकेदार का 15 लाख रुपये का बिल पास करवाने के लिए जेई अंकित ने मांगे थे 88 हजार रुपये
- लघु सचिवालय के नजदीक स्थित जलघर से रोहतक एंटी करप्शन ब्यूरो टीम ने जेई को किया काबू

सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए टीम गठित करके लघु सचिवालय के सामने स्थित जलघर से जन स्वास्थ्य विभाग के जेई को 48 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों काबू किया गया है। आरोपी ने शिकायतकर्ता से 15 लाख की राशि का भुगतान करने के लिए 88 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी, जिसमें से आरोपी शिकायतकर्ता से 26 हजार रुपये की रिश्वत पहले ले चुका था। जब आरोपी ने दोबारा रिश्वत की मांग की तो शिकायतकर्ता ने उनकी टीम से संपर्क किया। जिस पर कार्रवाई करते हुए एसीबी की टीम ने आरोपी जेई को गुरुग्राम मार्ग स्थित जलघर से गिरफ्तार कर लिया। एसीबी टीम द्वारा नियमानुसार आगामी कार्यवाई अमल में लाई जा रही है।

झज्जर। एंटी करप्शन ब्यूरो टीम के साथ पकड़ा गया आरोपी जेई अंकित। फोटो : हरिभूमि

डिलीवरी के बाद बिगड़ी तबीयत, जच्चा-बच्चा की मौत

- परिजनों ने की मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाए जाने की मांग
- चिकित्सकीय बोर्ड द्वारा किया गया पोस्टमार्टम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

साल्हावास पीएचसी क्षेत्र के गांव मुंडाहेड़ा निवासी एक गर्भवती महिला की डिलीवरी के बाद बिगड़ी हालत के चलते उसे चिकित्सकों ने झज्जर के नागरिक अस्पताल रैफर किया लेकिन बीच रास्ते ही जच्चा व बच्चा ने दम तोड़ दिया।

इसके बाद एंबुलेंस द्वारा जच्चा-बच्चा को नागरिक अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मृतका की पहचान करीब 28 वर्षीया सोनम पत्नी योगेश के रूप में हुई है। मृतका के पति ने पुलिस को शिकायत देकर मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाए जाने की मांग की है। पुलिस को दी शिकायत में मृतका के पति योगेश पुत्र औमप्रकाश ने बताया कि उसकी शादी वर्ष 2018 में बाघपत यूपी के खेखड़ा गांव निवासी सतवीर की पुत्री सोनम के साथ हुई थी। उसने छह वर्ष पहले एक बच्चे को जन्म दिया था। इसके बाद अब उसकी दूसरी डिलीवरी थी। बीती 20 अप्रैल की रात जब उसे प्रसव पीड़ा हुई तो वह उसे उपचार के लिए पीएचसी साल्हावास लेकर पहुंचा। यहां उसकी पत्नी को चिकित्सकों द्वारा दाखिल कर लिया गया। इसके बाद सोमवार की अलसुबह करीब तीन से साढ़े तीन बजे के बीच उसकी पत्नी ने डिलीवरी के दौरान एक बच्ची को जन्म दिया। नवजात बच्ची के न रोने व उसकी पत्नी की तबीयत बिगड़ने के कारण उसे झज्जर के नागरिक अस्पताल रैफर कर दिया।

झज्जर। पोस्टमार्टम के बाद जच्चा-बच्चा का शव ले जाते हुए परिजन।

योगेश के अनुसार जब वह अपनी पत्नी व बच्ची को अस्पताल लेकर पहुंचा तो वहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। योगेश ने पुलिस से मांग की है कि पोस्टमार्टम कराकर मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाया जाए। पुलिस द्वारा इस मामले में चिकित्सकीय बोर्ड से पोस्टमार्टम कराए जाने के बाद मृतका सोनम व उसकी नवजात बच्ची के शव को परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर नियमानुसार आगामी जांच शुरू कर दी है।

हाईड्रा क्रेन की टक्कर से बाइक सवार श्रमिक की मौत

- सात बहनों का इकलौता भाई था मृतक सितेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

गांव दादरी तोए स्थित एक निजी कंपनी में कार्यरत प्रवासी श्रमिक को एक हाईड्रा क्रेन ने टक्कर मार दी। जिस कारण उसकी मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब रविवार की शाम करीब साढ़े सात बजे प्रवासी श्रमिक अपनी टीम के साथियों के लिए खाना लेने के लिए मोटरसाइकिल पर ढाबे पर जा रहा था। मृतक की पहचान बिहार के भागलपुर निवासी करीब 25 वर्षीय सितेश पुत्र भोला मंडल के तौर पर हुई है। पोस्टमार्टम के दौरान अस्पताल परिसर में उपस्थित मृतक के साथियों ने बताया कि हाल ही में यहां की कंपनी में कोई प्रोजेक्ट शुरू होने वाला था।

वह अपनी टीम के सदस्यों के साथ करीब सप्ताह भर पहले ही यहां काम करने पहुंचा था। वह सात बहनों की इकलौता भाई था। इस संबंध में मामले के जांच अधिकारी युद्धवीर ने बताया कि मृतक सितेश दादरी तोए की एक कंपनी में हेल्पर का कार्य करता था। जब वह अपने साथियों के लिए खाना लाने के लिए मोटरसाइकिल पर जा रहा था तो उसे एक हाईड्रा क्रेन ने टक्कर मार दी। जिस कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक के चचेरे भाई दीपक पुत्र मोती मंडल की शिकायत पर आरोपी हाईड्रा क्रेन चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पोस्टमार्टम कराए जाने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस नियमानुसार आगामी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

झज्जर। नागरिक अस्पताल में उपस्थित मृतक के साथी कर्मचारी व मृतक सितेश का फाइल फोटो। फोटो : हरिभूमि

बच्चों के एडमिशन के लिए भटक रहे अभिभावक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

आरटीई के तहत पोर्टल पर गरीब छात्रों के लिए 25 फीसदी सीटें न दिखाने पर शिक्षा निदेशालय ने सख्त रवैया अपनाते हुए उन्हें पोर्टल पर ब्लॉक कर दिया है। जिस कारण कई अभिभावक परेशान हैं। एसएलसी प्राप्त करने समेत उनके अन्य काम अटक गए हैं।

शिक्षा निदेशालय की ओर से स्पष्ट आदेश दिए गए थे, जिसके बाद जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी आरटीई के तहत निजी स्कूलों पर गंभीर रुख अपना रहे हैं। आरटीई के तहत 25 फीसदी सीटें पोर्टल पर पंजीकरण करवाने में नाकाम रहे निजी स्कूलों को ब्लॉक कर दिया गया है। उन स्कूलों में नया दाखिला भी हो पा रहा। क्योंकि ब्लॉक होने के बाद वे छात्र को स्टूडेंट रजिस्ट्रेशन नंबर जारी नहीं कर पा रहे। लेकिन इस कारण कई अभिभावक भी परेशान हैं। कृष्ण जाखड़ ने बताया कि उनके बच्चे जिस स्कूल में पढ़ते हैं, वह 8वीं तक का ही है। पोर्टल पर ब्लॉक होने के कारण उनके एसएलसी नहीं बन रहे। जिस कारण उनका 9वीं कक्षा में एडमिशन अटक गया है। ऐसी ही कुछ दिक्कतें अन्य अभिभावकों को भी आ रही थी। जिनके समधान के लिए वे बीईओ कार्यालय पहुंचे और फिर समाधान शिविर में भी शिकायत दी।

बहादुरगढ़। शिकायत लेकर बीईओ दफ्तर पहुंचे अभिभावक। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। अवैध निर्माण ढहाती डीटीपी की जेसीबी। फोटो : हरिभूमि

डीटीपी ने बामड़ोली व कानोंदा में की तोड़फोड़

बहादुरगढ़। जिला नगर योजनाकार की टीम ने सोमवार को गांव बामड़ोली और कानोंदा के रकबे में लगभग 10 एकड़ क्षेत्रफल में फैल रही 5 अनाधिकृत कॉलोनियों में तोड़फोड़ अभियान चलाया। इस कार्रवाई में लगभग 32 डीपीसी, 12 चारदीवारी, 6 दुकानें व 7 अवैध निर्माण के साथ-साथ सभी रोड नेटवर्क उखाड़ दिए। यह पूरी तोड़फोड़ कार्रवाई जिला नगर योजनाकार के नेतृत्व में कनिष्ठ अभियंता अरविंद के साथ पुलिस बल की मौजूदगी में की गई।

एक करोड़ रुपये से अधिक राशि खर्चने के बाद भी निर्माण अधूरा

नशेड़ी लोगों का अड्डा बना निर्माणाधीन रैनबसेरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

नगर परिषद द्वारा शहर के बालोर रोड पर कई वर्ष रैन बसेरे का निर्माण शुरू किया गया था, लेकिन यह निर्माणाधीन रैनबसेरा अब लोगों नशेड़ियों का अड्डा बन गया है। वार्ड नंबर-13 के पार्षद मोहित राठी के अनुसार आसपास की कॉलोनियों में वारदातें बढ़ने का अंदेशा बना रहता है। रैनबसेरे के निर्माण कार्य को पूरा करके बेहतर इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

इनेलो पार्षद मोहित राठी ने कहा कि एक करोड़ रुपए से अधिक राशि खर्चने के बाद भी रैनबसेरे का निर्माण अधूरा पड़ा है। यदि इस रैन बसेरे का निर्माण समय पर होता तो लोगों को सुविधा होती, लेकिन अब यह केवल नशेड़ियों का अड्डा बना हुआ है। उन्होंने सुझाव दिया कि इस निर्माणाधीन रैन बसेरे को जल्द पूरा किया जाए तो अनेक लाभ जनता को मिल सकते हैं। यहां नगर परिषद का नया कार्यालय भी बनाया जा सकता है। इससे लोगों को एक ही स्थान पर आसानी से सभी अधिकारी उपलब्ध हो जाएंगे। लघु सचिवालय भी इस रोड पर है और नगर परिषद कार्यालय भी यहां होने से लोगों को काफी सुविधा होगी। जल्द इस रैन बसेरे का निर्माण पूरा नहीं हुआ, तो इस पर खर्च पैसा बर्बाद हो जाएगा। यह इमारत कुछ समय में जर्जर अवस्था में हो जाएगी। इसलिए नगर परिषद को शीघ्र इस ओर कोई ठोस कदम उठाकर निर्माण कार्य पूरा करवाना चाहिए।

बहादुरगढ़। अधूरे बने रैन बसेरे को दिखाते पार्षद मोहित राठी।

हरिभूमि
रोहतक मंगलवार
22 अप्रैल 2025

सहेली

विशेष : पृथ्वी दिवस

आज धरती का अस्तित्व खतरे में है। प्रदूषित पर्यावरण और ग्लोबल वार्मिंग हमारी धरती के सामने बहुत बड़े संकट बनकर खड़े हैं। इस समस्या को वही गहराई से समझ सकता है, जो संवेदनशील है। ऐसी संवेदनशीलता महिलाओं में ही दिखती है। धरती हरी-भरी रहे, संरक्षित रहे, इसके लिए महिलाएं निरंतर एक प्रतिबद्धता के साथ काम भी कर रही हैं। दुनिया भर के पर्यावरणविद भी इस बात को स्वीकारते हैं कि हमारे पर्यावरण को सरकारें नहीं, महिलाएं ही बचा सकती हैं। पृथ्वी के संरक्षण में महिलाओं की भागीदारी पर एक जरूरी विमर्श।

महिलाओं के ही हाथ सुरक्षित है धरती

आवरण कथा

संध्या सिंह

पृथ्वी केवल एक ग्रह ही नहीं है, हम पृथ्वी को धरती मां भी कहते हैं। ठीक उसी तरह जैसे स्त्री केवल एक इंसान भर नहीं है, वह मां भी है। धरती और स्त्री दोनों में बहुत-सी समानताएं हैं, दोनों ही जीवन देती हैं, दोनों ही जीवन को पालती हैं, वह भी बिना किसी स्वार्थ के उसे सहेजती भी हैं। इसलिए जब हम पृथ्वी दिवस (22 अप्रैल) मनाते हैं, तो दिलो-दिमाग में यह आना स्वाभाविक है कि धरती को बचाने की सबसे मजबूत आशा महिलाओं से ही की जाती है। विशेषकर उन महिलाओं की ओर हमें देखना होगा, जो मिट्टी से जुड़ी हैं, जंगल को जानती-समझती हैं, जल संरक्षण करती हैं, जिनके कंधों पर सदियों से कृषि का भार रहा है। ये सब महिलाएं हैं, जिन्हें चाहे कोई कहे या न कहे, ये पर्यावरण की स्वतः रक्षक हैं। इसलिए दुनिया को धरती बचाने की मुहिम में महिलाओं को कारगर भूमिका में लाना चाहिए, तभी धरती के बचने की उम्मीद की जा सकती है।

पृथ्वी-स्त्री दोनों हैं जन्मदायिनी शक्तियां: प्रकृति को भी भारतीय परंपरा में धरित्री, वसुधा और भूमाता कहा जाता है, क्योंकि स्त्री की तरह पृथ्वी या धरती भी जननी है। दोनों ही जीवन की संरचना और निरंतरता का आधार हैं। दोनों ही सृजन करती हैं,

एक धरती को हरा-भरा करती है, दूसरी कोख को। दोनों का मूल स्वभाव सहनशीलता और पुनर्निर्माण है, क्योंकि दोनों में संवेदना है। यह अकारण नहीं है कि गांव की लाखों महिलाएं, जो रोज जंगल से लकड़ियां बीन कर लाती हैं, कुएं-पोखरों से पानी भरती हैं, वे कुदरत से बिना कुछ चाहे खुशी-खुशी स्वयंसेवकों की तरह रक्षा करती हैं। ये महिलाएं ही हैं, जो समय-समय पर जंगलों की रक्षा के लिए सैनिकों की तरह आगे बढ़कर आई हैं। महिलाएं ही हैं, जो खेतों में जैविक खाद डालती हैं, पेड़ों को कटने से बचाती हैं, क्योंकि उन्हें पता है पेड़ नहीं होंगे तो बारिश नहीं होगी। पूरी दुनिया में अब तक जितने भी जंगल बचाने के लिए आंदोलन हुए हैं, हमेशा इन आंदोलनों में महिलाओं ने न सिर्फ बढ़-चढ़ कर हिस्सेदारी की है बल्कि पहली कतार में वही रही हैं।

क्या कहते हैं शोध: संयुक्त राष्ट्र संघ की शोध रिपोर्ट बताती है कि जिन देशों में पर्यावरणीय नीतियों में महिलाओं की भागीदारी होती है, वहां वनों की कटाई, जल प्रदूषण और जैव विविधता पर सकारात्मक असर देखने को मिलता है। इसलिए संयुक्त राष्ट्र दुनिया की सभी सरकारों से कहता है कि वो महिलाओं को स्वच्छ ऊर्जा तकनीक, वनीकरण और स्थाई खेती से जोड़ें। क्योंकि महिलाएं जलवायु परिवर्तन की लड़ाई में निर्णायक रूप से भूमिका निभाती हैं। दरअसल, जब महिलाएं सशक्त होती हैं, तो वे न सिर्फ आर्थिक रूप से बल्कि शैक्षिक रूप से भी निर्णय लेने की क्षमता रखती हैं। देखा गया है कि महिलाएं हमेशा पर्यावरण के प्रति अनुकूल भाव रखती हैं, वे हमेशा हरित विकल्पों को तरजीह देती हैं। ये महिलाएं ही हैं, जो दुनिया में 90 फीसदी जल संग्रह करती हैं। ये महिलाएं ही हैं, जो जैविक बागवानी का बोझ अपने कंधों पर उठाए हुए हैं। स्थानीय स्तर पर शुद्ध बीजों की सुरक्षा महिलाओं की बदौलत ही हो पा रही है।

धरती और स्त्री दोनों शोषित: शायद इसलिए भी धरती के बोझ का दुख महिलाएं ज्यादा संवेदनशीलता से समझती हैं, क्योंकि धरती की तरह ही वे भी शोषित हैं। महिलाओं को समाज में अकसर निचले स्तर के कामों तक सीमित रखा जाता है। शिक्षा से वंचित और निर्णय लेने के मामले में उन्हें बाहर रखा जाता है, इसलिए दुनिया में कई तरह की अव्यवस्थाएं हैं, कई तरह की आक्रामकताएं हैं, क्योंकि नीतिगत निर्णय के मामले में महिलाओं को पुरुषों ने जान-बूझकर पीछे रखा है। वक्त आ गया है कि अब इस अन्याय को सुधारा जाए और धरती और स्त्री दोनों को ही सम्मान मिले, दोनों को ही अपनी-अपनी संवेदनशीलता के लिए आवाज मिले, क्योंकि धरती का दुख महिलाएं ही बेहतर जानती हैं। इसलिए महिलाओं के हाथ में ही धरती की सुरक्षा का भार सौंपना अक्लमंदी है।

धरती का अंधाधुंध दोहन नहीं करतीं महिलाएं: महिलाओं के हाथों में धरती को इसलिए सुरक्षित माना गया है, क्योंकि वो अंधाधुंध दोहन के दर्शन को नहीं मानतीं, वे मिलकर जीने के सिद्धांत की समर्थक होती हैं। महिलाएं कभी भी पर्यावरण को उस तरह हृदयहीनता से नुकसान नहीं पहुंचातीं, जैसे आमतौर पर धरती को पुरुष नुकसान पहुंचाते हैं। महिलाएं शांति पसंद होती हैं, वे पर्यावरण के साथ बेरहमी से पेश नहीं आतीं, इसलिए वक्त आ गया है कि धरती के सामने जो सवालिया निशान लगा है, उस निशान को हटाने के लिए यह भूमिका महिलाओं की दी जानी चाहिए।

पर्यावरण संरक्षक

महिलाएं जन्मजात पर्यावरण संरक्षक होती हैं। ये महिलाएं ही हैं, जो भारत के गांवों में जलस्रोतों की देखभाल करती हैं, पूरे देश में जैविक खाद तैयार करती हैं, बीजों को सहेजती हैं। जंगल, चारागाह, तालाब ऐसी विरासतें हैं, जिनकी देख-रेख आज भी महिलाओं के कंधों पर ही टिकी है, क्योंकि इनके प्रति उनका बेहद संवेदनशील रवैया है। ये महिलाओं का स्वभाव ही है, जो उन्हें पर्यावरणीय फैसलों का स्वाभाविक अगुवा बना देता है। यह सिर्फ अपने देश तक ही सीमित नहीं है, संयुक्त राष्ट्र संघ भी इस बात की तस्दीक करता है कि धरती के प्रति सबसे ज्यादा संवेदनशीलता अगर कोई रखता है तो वे महिलाएं हैं। साल 1973 में जब भारत में चिपको आंदोलन हुआ था तो ये महिलाएं ही थीं, जो पेड़ों से चिपक जाती थीं। लकड़हारों से कहती थीं, 'अगर पेड़ काटना है, तो पहले हमें काटो।' महिलाओं ने पेड़ों के लिए खुद को दांव पर इसलिए लगाया, क्योंकि वे जानती हैं कि पेड़ नहीं होंगे तो हवा जहरीली हो जाएगी। शायद इसीलिए दुनियाभर के पर्यावरणविद कहते हैं, 'दुनिया के पर्यावरण को सरकारें नहीं बचा सकती, उन्हें सिर्फ महिलाएं ही बचा सकती हैं।'

विशेषः विश्व पुस्तक दिवस, 23 अप्रैल

किताबें सिखाती हैं जीना

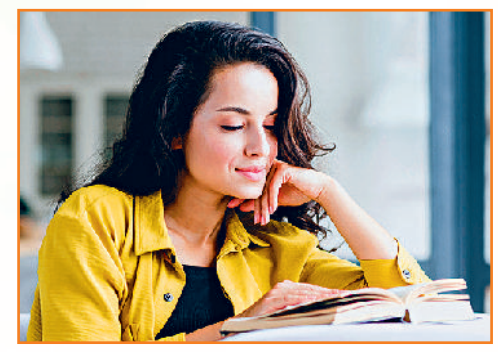

इस नए दौर में अधिकांश लोग हाथों में मोबाइल लिए सोशल मीडिया की दुनिया में खोए रहते हैं। किताबें पढ़ने की हमारी आदत खत्म होती जा रही है, जबकि किताबें हमारी सबसे भरोसेमंद दोस्त होती हैं, जीने की सही राह दिखाती हैं, जो जिंदगी की खुशहाली के लिए जरूरी है।

सलाह

सरस्वती रमेश

भावना बहुत अच्छी जॉब में थी, लेकिन एक एक्सीडेंट के चलते उसे अपना बायां पैर खोना पड़ा, जॉब छोड़नी पड़ गई। चलने से मजूबर भावना घर के एक कमरे में सिमट कर रह गई। पति ऑफिस चले जाते, बच्चे स्कूल। घर में बस वह अकेली बचती। उसे टीस होती कि अपने खोए पैर के कारण अब वह जीवन में कुछ नहीं कर पाएगी। धीरे-धीरे वह बहुत परेशान रहने लगी, चिड़चिड़ी हो गई। अपनी स्थिति के बारे में लगातार सोचने से वह मानसिक रूप से बीमार रहने लगी। उसका किसी काम में मन नहीं लगता था। तभी एक दिन भावना की सहेली ने उसे एक किताब गिफ्ट की। यह किसी दिव्यांग महिला की ऑटोबायोग्राफी थी कि उसने कैसे अपना जीवन संवारा और आत्मनिर्भर बनी। किताब को पढ़ते ही भावना के भीतर नई आशाएं जागीं। फिर क्या था, भावना ने किताबों से दोस्ती कर ली। हर हफ्ते एक नई किताब पढ़ती। इन्हें पढ़ने से उसे नई दृष्टि मिली। वह अपने आपको ऊर्जावान महसूस करती। साल भर बाद उसने महसूस किया कि किताबें पढ़-पढ़ कर वह इतना कुछ जान-समझ चुकी है कि उसे अपनी विकलांगता से कोई शिकायत नहीं रही। उसने अपनी लाइफ नए सिरे से प्लान की, भविष्य की सुनहरी राह बनाई। अब वह आत्मनिर्भर है, दूसरों के लिए एक मिसाल है।

हर किसी को पढ़नी चाहिए किताब: किताबें हम सबकी सच्ची दोस्त होती हैं। क्योंकि किताबें हमारा अकेलापन छांटती हैं, जीने का सलीका सिखाती हैं। जीवन में आगे बढ़ने का रास्ता दिखाती हैं। मुश्किलों से उबरने की तरकीब भी बताती हैं। हमारा आत्मविश्वास बढ़ाती हैं। किताबें पढ़कर हम हर तरह का ज्ञान अर्जित करते हैं, बौद्धिक रूप से समृद्ध होते हैं। किताबें महिलाओं के सशक्तीकरण की राह बनाती हैं।

पढ़ने की कोई उम्र नहीं होती: कुछ लोगों को यह कहते हुए सुना जाता है कि अब हमारी पढ़ने की उम्र नहीं रही। बुढ़ापे में पढ़कर क्या होगा? ऐसे लोगों को केरल की भागीरथी अम्मा से सबक लेना चाहिए, जो अब इस दुनिया में नहीं रहीं। उनको किताबें पढ़ने का जुनून था, इसलिए उन्होंने 105 साल की उम्र में चौथी क्लास की परीक्षा दी और पास हुईं। किताबें पढ़ने की अपनी इच्छा उन्होंने पूरी की। इसी तरह महाराष्ट्र के बारामती की रहने वालीं बेबी गुरव को परिवार की आर्थिक स्थिति के कारण बचपन में ही अपनी पढ़ाई छोड़नी पड़ी थी। सालों बाद जब उनका बेटा दसवीं में पहुंचा तो बेबी ने भी बेटे के साथ ही दसवीं की परीक्षाएं दीं और और पास भी हुईं। अब वह जमकर अपनी मनपसंद किताबें पढ़ती हैं, ज्ञान बढ़ाती हैं। ये कहानियां हमें बताती हैं कि पढ़ने की कोई उम्र नहीं होती। उसके लिए सिर्फ हमें किताबों से प्रेम करना आना चाहिए।

तन्हाई की सबसे भरोसेमंद साथी: माता-पिता की जिंदगी में एक ऐसा समय आता है, जब उनके बच्चे पढ़ने या जॉब करने के लिए घर से दूर चले जाते हैं। शादी के बाद अपनी दुनिया में व्यस्त हो जाते हैं। ऐसे में अकेले रह रहे माता-पिता के लिए किताबें अच्छी दोस्त साबित होती हैं। मन को शांत, एकाग्र और स्वस्थ रखने में किताबें इनकी मदद करती हैं।

उम्र बढ़ाती हैं किताबें: किताबें हमारे दिमाग को स्वस्थ और संतुलित रखने में मददगार होती हैं। शोध बताते हैं, नियमित रूप से किताबें पढ़ने से ब्लड प्रेशर सही रहता है। चूंकि किताबें हमारा मनोरंजन करती हैं, इसलिए इनसे तनाव कम होता है। शोध तो यहां तक कहते हैं कि किताबें पढ़ने से उम्र लंबी होती है।

बदलती है समाज की सोच: किताबें पढ़कर हम उन्नत विचारों को ग्रहण करते हैं, रूढ़िगत परंपराओं से बाहर आते हैं। किताबें परिवार-समाज को विचारों से प्रगतिशील बनाती हैं। इस तरह किताबें समाज में एक अच्छा बदलाव लाती हैं। इसलिए अपना और दूसरों का भी जीवन बदलने के लिए अधिक से अधिक किताबें पढ़ें।

इंटीरियर

अनु आर.

घर की दीवारों को सजाने के लिए पेंट या वॉल पेपर का चयन करना थोड़ा मुश्किल होता है। दरअसल, दोनों के अपने-अपने प्लस और माइनस प्वाइंट्स होते हैं। इसलिए अपनी पसंद और जरूरत के अनुसार आप किसी का भी चुनाव कर सकती हैं।

चुनें वही जो हो पसंद वॉल पेपर या पेंट

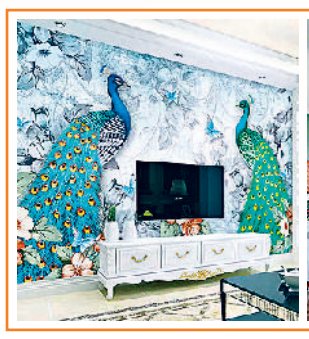

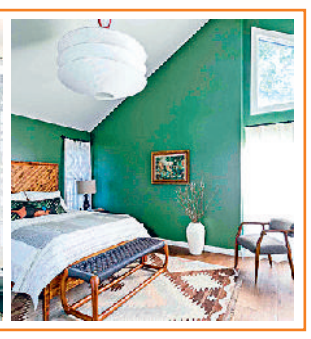

आमतौर पर जब बात घर और ऑफिस के इंटीरियर की आती है तो लोग वॉल पेंट को प्रमुखता देते हैं। इसमें कई स्टाइल, डिजाइन, पैटर्न से घर की दीवारों को सजाने के ऑप्शंस होते हैं। हालांकि पेंट और वॉल पेपर दोनों ही घर के इंटीरियर में अलग-अलग तरह के बदलाव लाते हैं। लेकिन दोनों के ही अपने-अपने फायदे और नुकसान होते हैं। आप इनमें से किसका चयन करना चाहती हैं, यह आपकी पसंद और जरूरत पर निर्भर करता है। इन दोनों में से कौन-सा ज्यादा अच्छा होता है, इसके बारे में अलग-अलग राय हो सकती है।

वॉल पेपर की क्वालिटीज: वॉल पेपर लोगों द्वारा इसलिए कम पसंद किए जाते हैं, क्योंकि इसे एक बार लगाने के बाद इसे हटाने का प्रोसेस थोड़ा मुश्किल होता है और इसके लिए प्रोफेशनल की मदद लेनी पड़ती है। उसकी तुलना में पेंट करवाना लोगों को ज्यादा सरल लगता है। वॉल पेपर किसी भी कमरे के एस्थेटिक्स में एक नया बदलाव ले आते हैं। जबकि पेंट में उतनी वैरायटी उपलब्ध नहीं होती। हालांकि वॉल पेपर्स हर घर के लिए उपयुक्त साबित नहीं होते। जिन घरों में बच्चे छोटे होते हैं और जहां पेट्स होते हैं, वहां वॉल पेपर जल्द खराब होने का डर रहता है। इसके अलावा जिन घरों की दीवारों में सीलन ज्यादा होती है, सीलन के कारण वॉल पेपर की शेप खराब हो जाती है और ये फूल जाती हैं। हालांकि वॉल पेपर की खूबी है कि इन पर अगर दाग या धब्बे लग जाते हैं तो उन्हें आसानी से रिमूव किया जा सकता है। अगर वॉल पेपर डैमेज हो जाते हैं तो इन्हें दोबारा फिक्स करवाया जा सकता है। हालांकि एक बार अगर वॉल पेपर घर की दीवारों पर लगा दिया जाता है और उसकी केयर की जाए तो यह कम से कम दस साल तक सही रहता है। वॉल पेपर में दीवारों के स्क्रेच या खुरदरेपन को छुपाया जा सकता है, जबकि पेंट में यह संभव नहीं होता। घर अगर बड़ा है और बड़ी दीवारों के लिए वॉल पेपर का इस्तेमाल किया जाता है तो इनमें आने वाले ज्वाइंट्स को अच्छी तरह से बनाना चाहिए। इनमें आने वाले क्रेक्स को भी ज्यादा देखभाल की जरूरत होती है।

वॉल पेंट की खासियत: वॉल पेपर और पेंट की तुलना करने पर हम पाते हैं कि पेंटिंग में काफी समय लगता है, कई मजदूरों की जरूरत पड़ती है। बाद में घर की साफ-सफाई भी अच्छे से करनी पड़ती है। वॉल पेंट सीलन भरी दीवारों पर जल्दी खराब तो होता ही है, बच्चे या पेट्स इन पर दाग-धब्बे लगा देते हैं और थोड़े समय बाद दीवारों पर पेंट पुराने लगने लगते हैं। अगर उस जगह तेज धूप आती हो तो पेंट और भी जल्दी खराब हो सकता है। हालांकि इसके बावजूद वॉल पेंटिंग को अधिकांश लोगों द्वारा पसंद किया जाता है और इसे अधिक टिकाऊ माना जाता है।

वॉल पेपर का बजट: वॉल पेपर को लगाने के लिए किसी प्रोफेशनल की जरूरत होती है, जबकि पेंट करने का काम आप फैमिली मेंबर्स के साथ मिलकर स्वयं भी कर सकती हैं। पेंट जगह-जगह से उखड़ जाता है तो इसकी आप खुद रिपेयरिंग भी कर सकती हैं। जबकि वॉल पेपर पर खर्च ज्यादा आ सकता है।

उपलब्ध हैं कई वैरायटीज: वॉल पेंट हो या वॉल पेपर, दोनों में ही कई तरह के प्रयोग किए जा सकते हैं। वॉल पेपर में तो बहुत सारे डिजाइन और वैरायटीज आपको मिल जाएंगी, जो घर के इंटीरियर में पूरी तरह बदलाव ला देती हैं। वॉल पेपर के डिजाइन घर को ज्यादा स्पेशियस दिखाते हैं। उनको कस्टमाइज्ड कराया जा सकता है और इन्हें ऑर्डर पर भी लाया जा सकता है।

केयर

सरिता गुप्ता

इस मौसम में ऐसे करें स्किन केयर

गर्मी के मौसम में स्किन का बहुत ध्यान रखना पड़ता है, नहीं तो तेज धूप की वजह से स्किन पर रैशेज, टैन, सनबर्न और एक्ने जैसी बहुत-सी प्रॉब्लम हो सकती हैं। ऐसा आपके साथ न हो, इसके लिए हम आपको ऐसे स्टेप्स बता रहे हैं, जिन्हें आजमाकर आप अपनी स्किन को ग्लोइंग बनाए रख सकती हैं।

फेस वॉश करें: आप जब भी बाहर से घर लौटकर आएं तो सबसे पहले फेस वॉश जरूर करें। इससे आपके चेहरे पर जमा पसीना, धूल, प्रदूषण आदि सब साफ हो जाएगा। ऐसा करने से आप फ्रेश भी फील करेंगी। इसके साथ ही हफ्ते में एक बार स्क्रब भी कर सकती हैं।

सनस्क्रीन: वैसे तो सनस्क्रीन का यूज हर मौसम में करना चाहिए, लेकिन गर्मियों में तो घर से बाहर जाते समय एसपीएफ 30 वाली सनस्क्रीन का यूज जरूर करना चाहिए। यदि ज्यादा देर तक धूप में रहना हो, तो एसपीएफ 50 का यूज करें क्योंकि सूरज से निकलने वाली खतरनाक अल्ट्रावायलेट किरणें, हमारी त्वचा को काफी नुकसान पहुंचाती हैं। सनस्क्रीन हमारी त्वचा को धूप के सीधे संपर्क में आने से भी बचाती है।

एक्सफोलिएट: स्किन को हफ्ते में एक बार एक्सफोलिएट जरूर करना चाहिए। इससे फेस बिल्कुल साफ नजर आता है। इसके लिए ऐसे स्क्रब का चयन करें, जो फेस की सूजन को कम करें और डीप क्लीन करे। यह स्किन के टेक्सचर को सुधारने के साथ-साथ झुर्रियों को भी दूर रखता है।

नाइट केयर: रात को सोते समय हमारी स्किन रिपेयरिंग का काम करती है। इसलिए रात को जब नाइट क्रीम का यूज करते हैं तो इससे स्किन रिंकल फ्री और ग्लो करने लगती है। इसके लिए आप ऐलोवेरा जैल का भी यूज कर सकती हैं। इसमें एंटी ऑक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल और एंटीसेप्टिक गुण होते हैं।

केमिकल प्रोडक्ट्स: जहां तक संभव हो स्किन केयर के लिए हमेशा बिना केमिकल वाले प्रोडक्ट्स का यूज करना चाहिए। केमिकल युक्त प्रोडक्ट्स के इस्तेमाल से स्किन पर एक्ने और रिंकल जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इनकी जगह नेचुरल प्रोडक्ट्स यूज करें।

होम रेमेडीज: स्किन को हाइड्रेट करने और फ्रेशनेस बनाए रखने के लिए आप होममेड फेसपैक जैसे मुल्तानी मिट्टी, चंदन पावडर और गुलाब जल से बने फेस पैक का इस्तेमाल कर सकती हैं। इनसे स्किन को कूलिंग इफेक्ट और फ्रेशनेस बनाए रखने में मदद मिलती है।

मॉयश्चराइजर: गर्मियों में अकसर लोग स्किन को मॉयश्चराइज करना अवॉयड करते हैं, जबकि यह स्किन केयर का जरूरी स्टेप होता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार गर्मी में लाइट या वॉटर बेस्ड मॉयश्चराइजर का इस्तेमाल करना चाहिए, जिससे स्किन ऑयली और डल न लगे।

(ब्यूटी एक्सपर्ट सीमा शर्मा से बातचीत पर आधारित)

डाइट सजेशन

मुक्ता भावसार

गर्मी के मौसम में खुद को हाइड्रेट रखना बहुत जरूरी होता है। इससे आप एनर्जेटिक फील करेंगी। हम आपको बता रहे हैं कुछ ऐसी डाइट के बारे में, जो आपको रखेंगे हाइड्रेटेड।

गर्मी के मौसम में ऐसे रखें खुद को एनर्जेटिक-हाइड्रेटेड

गर्मी का मौसम अपने साथ लू, थकान और शरीर में पानी की कमी जैसी कई समस्याएं लेकर आता है। जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, वैसे-वैसे शरीर से पसीने के रूप में पानी और जरूरी मिनरल्स बाहर निकल जाते हैं। ऐसे में अगर शरीर को समय-समय पर हाइड्रेट न किया जाए, तो चक्कर आना, थकावट और डिहाइड्रेशन जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। गर्मियों में सही खान-पान और पर्याप्त पानी पीना न सिर्फ शरीर को ठंडक देता है, बल्कि ऊर्जावान भी बनाए रखता है। गर्मियों में थोड़ी-सी सावधानी और कुछ घरेलू उपाय अपनाकर आप न सिर्फ खुद को हाइड्रेटेड रख सकती हैं, बल्कि लू और थकान जैसी समस्याओं से भी बच सकती हैं।

पर्याप्त पानी पिएं: गर्मी में रोजाना कम से कम 8-10 गिलास पानी पीना जरूरी है। अगर पसीना ज्यादा आता है, तो मात्रा और बढ़ा दें। ठंडा पानी नहीं, बल्कि सामान्य तापमान या हल्का ठंडा पानी पीना ज्यादा फायदेमंद होता है। अगर सादा पानी पीने का मन न हो, तो उसमें नीबू, पुदीना, खीरा या तुलसी डालकर फ्लेवर्ड वाटर बनाएं। घर से निकलते समय एक गिलास पानी जरूर पीएं और पानी की बोतल साथ रखें।

हाइड्रेटिंग फ्रूट्स: तरबूज, खीरा, संतरा, अंगूर जैसे फलों में पानी भरपूर होता है। लौकी, तोरई जैसी सब्जियां और नारियल पानी शरीर को ठंडक और इलेक्ट्रोलाइट्स प्रदान करते हैं। गर्मी के मौसम में इनका भरपूर सेवन करें। इसके साथ ही, नीबू पानी, लस्सी, बेल शरबत, आम का पना, जलजीरा और सौंफ-गुलकंद का पानी शरीर को ठंडा और पाचन को दुरुस्त रखते हैं। लस्सी, छाछ, पुदीना-तुलसी ड्रिंक, सत्तू का शरबत, पान-गुलाब शरबत जैसे पेय शरीर को ठंडा रखने के साथ-साथ एनर्जी भी देते हैं। गर्मी के मौसम में कोल्ड ड्रिंक्स और कैफीन का सेवन करने से बचें।

मसालेदार खाने से करें परहेज: अपने भोजन में सलाद, दही, ताजे फल, दालें और हरी सब्जियां जरूर शामिल करें। तले-भुने और मसालेदार खाने से परहेज करें। जंक और स्ट्रीट फूड का सेवन ना करें, क्योंकि यह पेट में गर्मी और एसिडिटी बढ़ा सकता है। बेहतर पाचन और शरीर में पानी की संतुलित मात्रा बनाए रखने के लिए हल्का, सुपाच्य और पौष्टिक भोजन ही लें।

(आहार विशेषज्ञ पूनम विशाल ज्वेल से बातचीत पर आधारित)

खबर संक्षेप

राष्ट्रीय एमएसएमई पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित

झज्जर। डीसी प्रदीप दहिया ने बताया कि भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय एमएसएमई पुरस्कार 2024 के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इन पुरस्कारों का उद्देश्य नवाचार, गुणवत्तापूर्ण उत्पादन, निर्यात व उद्यमिता को बढ़ावा देना है। इस वर्ष कुल 44 पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे, जिनमें विनिर्माण, सेवा, विशेष श्रेणियों और संस्थागत समर्थन से जुड़ी श्रेणियां शामिल हैं। उन्होंने बताया कि आवेदन की अंतिम तिथि 15 मई निर्धारित की गई है।

मातृशक्ति उद्यमिता योजना से महिलाएं बनेंगी आत्मनिर्भर

झज्जर। डीसी प्रदीप दहिया ने बताया कि महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से हरियाणा सरकार द्वारा मातृशक्ति उद्यमिता योजना चलाई जा रही है। इस योजना के अंतर्गत महिलाओं को विभिन्न स्वरोजगार गतिविधियों के लिए बैंकों के माध्यम से पांच लाख रुपये तक का ऋण दिलवाया जा रहा है। यह योजना हरियाणा महिला विकास निगम के माध्यम से संचालित की जा रही है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025-2026 के लिए जिले में 40 लाभार्थी मामलों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

खोल। थाना खोल पुलिस ने क्षेत्र के एक गांव की नाबालिग लड़की का अपहरण करने के बाद दुष्कर्म का शिकार बनाने के आरोपी को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत पर गत 1 अप्रैल को आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया था। नाबालिग को बरामद करने के बाद पुलिस ने उसका मेडिकल कराया था। मेडिकल में दुष्कर्म की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने एमपी के गांव बंडा निवासी बृजेश लोदी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

साफ सफाई एवं स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए

जिला पुलिस आयुक्त ने किया सदर थाना का औचक निरीक्षण

- थाना परिसर में की गई व्यवस्थाओं, जवानों के रहन-सहन व रसोई तथा स्वच्छता इत्यादि का निरीक्षण किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। औचक निरीक्षण के दौरान आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए जिला पुलिस आयुक्त बी सतीश बालन। फोटो :हरिभूमि

सोमवार को जिला पुलिस आयुक्त बी सतीश बालन ने सदर थाना का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाना परिसर में की गई व्यवस्थाओं, जवानों के रहन-सहन व रसोई तथा स्वच्छता इत्यादि का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना प्रबंधक को थाना के रिकॉर्ड व अन्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने तथा थाना परिसर में साफ सफाई एवं स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने थाना प्रबंधक व थाना में तैनात अनुसंधान अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जनहित का कोई भी कार्य लंबित नहीं रहना चाहिए। सभी कार्य समयानुसार पूर्ण किए जाए। थाना में आई किसी भी तरह की शिकायत पर तुरंत कार्यवाई करके संबंधित अनुसंधानकर्ता को कार्यवाई के लिए सौंपा जाए। कोई भी शिकायत किसी भी परिस्थिति में लंबित नहीं रहनी चाहिए। इसके अलावा उन्होंने थाना प्रबंधक को थाना क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने, संदिग्ध व्यक्तियों तथा वाहनों की गहनता से जांच पड़ताल करने तथा वांछित आरोपियों की धरपकड़ के लिए गंभीरता से कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान डीसीपी लोगेश कुमार, एसीपी अनिल कुमार, थाना प्रबंधक प्रशिक्षु आईपीएस फैसल खान, पुलिस चौकी दुलीना प्रभारी उप निरीक्षक रीना सहित अन्य कर्मचारी भी उपस्थित रही।

विद्यार्थियों को निपुण बनाने में कक्षा तैयारी कार्यक्रम की भूमिका अहम

- प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को तीनों मॉड्यूल्स के उपयोग की विधि विस्तार से समझाई गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। कार्यक्रम में शामिल स्कूल मुखिया, एबीआरसी एवं बीआरपी। फोटो :हरिभूमि

जिला मौलिक शिक्षा विभाग द्वारा साल्हावास खंड के राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सैकेंडरी स्कूल ढाकला तथा बेरी खंड के खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में कक्षा तैयारी कार्यक्रम का उन्मुखीकरण सत्र आयोजित किया गया। निपुण हरियाणा के जिला समन्वयक डॉक्टर सुदर्शन पूनिया ने बताया कि यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को अगली कक्षा के लिए पूर्णतः तैयार करने तथा पिछली कक्षा के कौशलों में कमी को दूर करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने साल्हावास एवं बेरी खंड के प्राथमिक विद्यालयों के मुखियाओं, एबीआरसी एवं बीआरपी को विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान करते हुए बताया कि यह कार्यक्रम 28 मई 2025 तक संचालित किया जाएगा। इस दौरान हिंदी, गणित एवं अंग्रेजी विषयों में पिछली कक्षा के मूलभूत कौशलों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। 24 मई को आंकलन तथा 28 मई को अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया जाएगा। प्रत्येक कक्षा के लिए संशोधित स्किल पासबुक प्रदान की जाएगी, जिसे शिक्षकों को प्रत्येक 15 दिन के अंतराल पर भरना होगा। कार्यक्रम के प्रभावी क्रियांवयन के लिए तीन प्रकार के विशेष मॉड्यूल तैयार किए गए हैं। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को इन तीनों मॉड्यूल्स के उपयोग की विधि विस्तार से समझाई गई। बेरी के खंड शिक्षा अधिकारी रमेश चौहान ने सभी प्रतिभागियों को कार्यक्रम को निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार पूर्ण मेहनत एवं निष्ठा से क्रियान्वित करने के निर्देश दिए। इस मौके पर संपर्क फाउंडेशन से अमित कुमार, प्राचार्य वेद प्रकाश सैनी भी उपस्थित रहे।

अपनी मांगों के प्रति सजग है रिटायर्ड कर्मचारी संघ : रमेश

शहर के आर्य नगर में रिटायर्ड कर्मचारियों से बातचीत करते हुए संघ के सदस्य।

झज्जर। रिटायर्ड कर्मचारी संघ द्वारा मंगलवार को प्रदेश भर में प्रधानमंत्री के नाम वित्त अधिनियम 2025 के भाग चार को निरस्त करने बारे ज्ञापन सौंपा जाएगा। खंड झज्जर की इकाई ने प्रदर्शन को सफल बनाने के लिए सोमवार को आर्य नगर में रिटायर्ड कर्मचारियों से संपर्क किया। खंड प्रधान रमेश जाखड़ ने बताया कि इस दौरान कर्मचारियों से संघ की विभिन्न मांगों के संबंध में बातचीत की। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा 31 दिसंबर 2025 तक रिटायर्ड होने वाले कर्मचारियों को आठवें वेतन आयोग के लाभों से वंचित रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार पैंशनर्ज को कमजोर न समझें। रिटायर्ड कर्मचारी संघ हर प्रकार के संघर्ष के लिए तैयार है। इस दौरान कृष्ण मालिक, बलबीर सिंह, ओमप्रकाश पूनिया, बलजीत सिंह, महावीर सिंह, कृष्ण फौगाट, अजीत सिंह, सुरेश कुमारी, प्यारी देवी, सुशीला देवी, उषा रानी सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

भाला फेंक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने वाले हिमांशु जाखड़ को किया सम्मानित

- एचडी सीनियर सैकेंडरी स्कूल साल्हावास के पूर्व छात्र हिमांशु जाखड़ को 51 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि से सम्मानित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

हिमांशु जाखड़ को प्रोत्साहन राशि से सम्मानित करते हुए डायरेक्टर रमेश गुलिया।

सऊदी अरब के दमाम में आयोजित अंडर-18 एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप की भाला फेंक प्रतियोगिता में देश को स्वर्ण पदक दिलाने वाले खिलाड़ी हिमांशु जाखड़ को सोमवार को सम्मानित किया गया। एचडी सीनियर सैकेंडरी स्कूल साल्हावास के पूर्व छात्र हिमांशु जाखड़ को 51 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि से सम्मानित किया गया। इसके अलावा कोच नवीन जाखड़ को भी ग्यारह हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि भेंट की गई। साल्हावास गांव में आयोजित सम्मान समारोह में भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओपी धनखड़ ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। इस दौरान विशेष रूप से उपस्थित एचडी ग्रुप के डायरेक्टर रमेश गुलिया, सचिव विशाल नेहरा व हेमंत गुलिया उपस्थित रहे। इस दौरान सतगामा के प्रधान ब्रह्मानंद गुलिया, गहलावत खाप के प्रतिनिधि अशोक गहलावत तथा एचडी विद्यालय में हैंडबॉल खेल की नींव रखने वाले कोच रामभक्त जाखड़ ने भी हिमांशु को 11-11 हजार की प्रोत्साहन राशि देकर उसका उत्साह बढ़ाया।

विद्यार्थियों को दी समय का सदुपयोग करने की प्रेरणा

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

झज्जर। आरईडी स्कूल में सोमवार को संस्थान निदेशक जितेन्द्र सिंह अहलावत ने नौंवी से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के संवाद करते हुए उन्हें अच्छा इंसान बनने की प्रेरणा दी। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि परीक्षा में अच्छे अंक लाना जरूरी है, लेकिन उससे भी ज्यादा जरूरी है एक अच्छा इंसान बनना। आपका व्यवहार आपकी सोच और दूसरों के प्रति आपका दृष्टिकोण ही असली सफलता है। उन्होंने छात्रों से खुलकर बात करते हुए अनुशासन की ताकत को समझाया और समय का सदुपयोग करने की प्रेरणा दी। उन्होंने विद्यार्थियों से यह भी आग्रह किया कि वे अपने आस-पास ऐसे रोल मॉडल चुनें जिनसे वे सीख सकें, चाहे वो उनके शिक्षक हों, माता-पिता हों या कोई प्रेरणादायक व्यक्तित्व। उन्होंने समझाया कि हम जिन लोगों को देखकर प्रेरणा लेते हैं, धीरे-धीरे हम भी वैसे ही बनते हैं। शिक्षकों ने भी इस सत्र को बेहद सकारात्मक और उपयोगी बताया।

बहादुरगढ़। छात्राओं को जागरुक करते नवीन देसवाल व अन्य। फोटो :हरिभूमि

स्पेशल एजुकेशन को लेकर किया जागरूक

बहादुरगढ़। नूना माजरा के श्री ओमवीर इंस्टीट्यूट ऑफ रिहेबिलिटेशन द्वारा सोमवार को सांपला के छोटूराम राजकीय महिला कॉलेज में काउंसलिंग सत्र रखा गया। संस्था अध्यक्ष नवीन देसवाल और नताशा शर्मा ने महाविद्यालय की छात्राओं को डीएड स्पेशल एजुकेशन और ग्रेजुएशन के बाद बीएड स्पेशल एजुकेशन कोर्स के बारे में बताया। सेमिनार में कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. संतोष हुड्डा, डॉ. मीना कुमारी और डॉ. रश्मि ने बच्चों को विशेष शिक्षा में अपना भविष्य खोजने के लिए प्रेरित किया।

श्रुति से मिले प्ले स्कूल संचालक

बहादुरगढ़। प्ले स्कूलों को आ रही दिक्कतों को लेकर अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार काउंसिल के अध्यक्ष जयबीर कौशिक ने बहादुरगढ़ के प्ले स्कूलों के संचालकों ने महिला एवं बाल कल्याण विभाग मंत्री श्रुति चौधरी से मुलाकात की। उन्होंने प्ले स्कूल संचालकों के समक्ष आने वाली चुनौतियों से उन्हें अवगत करवाया। ज्यादातर प्ले स्कूल शिक्षित महिलाओं द्वारा आंगनवाड़ी की तर्ज पर चलाए जाते हैं। उन पर सख्ती अनुचित है। श्रुति चौधरी ने स्कूल संचालकों की मांगों और आवश्यकताओं पर गंभीरता पूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया।

बहादुरगढ़। मंत्री श्रुति चौधरी से मुलाकात करते प्ले स्कूल संचालक। फोटो :हरिभूमि

फसल अवशेषों को लेकर सख्त हुए बादली एसडीएम

बहादुरगढ़। एसडीएम सतीश यादव ने खंड स्तरीय अधिकारियों के साथ गेहूं की कटाई के बाद खेतों में फसल अवशेष जलाने की रोकथाम को लेकर महत्वपूर्ण करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे फील्ड में लगातार सतर्कता बनाए रखें और किसानों को फसल अवशेष न जलाने के लिए जागरूक करें।

एसडीएम सतीश यादव ने कहा कि खेतों में गेहूं की फसल के फाने (अवशेष) जलाना न केवल पर्यावरण के लिए हानिकारक है, बल्कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत यह दंडनीय अपराध भी है। यदि किसी खेत में आग लगने की सूचना मिलती है तो तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत कार्य करें और दोषी व्यक्ति के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाए। ऐसी घटनाओं पर नियंत्रण रखने के लिए गांव व ब्लॉक स्तर पर निगरानी टीमें गठित की गई हैं। एसडीएम ने कहा कि किसान अवशेष प्रबंधन के लिए आधुनिक यंत्रों का उपयोग करें। उन्होंने आमजन से अपील की है कि यदि किसी क्षेत्र में फसल अवशेष जलते हुए देखें तो तत्काल डायल 112 पर सूचना दें या नजदीकी प्रशासनिक अधिकारी को सूचित करें।

राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने दिया भगवान परशुराम जन्मोत्सव का न्योता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा। फोटो :हरिभूमि

आगामी 27 अप्रैल को पंचकूला में मनाए जाने वाले भगवान परशुराम जन्मोत्सव का न्यौता देने के लिए राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा सोमवार को श्री ब्राह्मण धर्मशाला पहुंचे। यहां पहुंचने पर समाज के लोगों द्वारा उनका जोरदार स्वागत किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे। जिसकी तैयारियां जोरों पर की जा रही है। उन्होंने 36 बिरादरी को भगवान परशुराम जन्मोत्सव कार्यक्रम के लिए निमंत्रण दिया और कहा कि हमारा प्रयास है कि कार्यक्रम के माध्यम से समाज के लोगों को एक मंच दिया जाए और उस मंच के माध्यम से सरकार और मुख्यमंत्री तक लोगों की समस्याओं को पहुंचा कर उनका समाधान करवाया जाए। इस दौरान ब्राहम्ण सभा के प्रधान राज सिंह देवरखाना, पंडित संत सुरेहती, पूर्व चेयरमैन मनीष नंबरदार, आजाद दीवान, रविंद्र, आशाराम, ईश्वर शर्मा, धर्मवीर गुढ़ा, योगेश, श्रीनिवास, रामकरण, राधे, दयानंद, राजेंद्र, विष्णु गुढ़ा सहित अन्य भी मौजूद रहे।

वेस्ट वाटर गली में छोड़ने के मामले में नोटिस देने के निर्देश

झज्जर। सोमवार को आयोजित जिला स्तरीय समाधान शिविर में डीसी प्रदीप दहिया ने नागरिकों की शिकायतें सुनीं। शिविर में 14 शिकायतें दर्ज हुई जिनका तत्परता से समाधान करने के अधिकारियों को निर्देश दिए गए। उन्होंने आयुष्मान भारत व पेंशन से जुड़ी समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया। समाधान शिविर के दौरान वार्ड नंबर चार की एक कॉलोनी में कुछ घरों द्वारा सड़क पर गंदा पानी छोड़ने के मामले में संज्ञान लेते हुए जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी एवं नगर परिषद के अधिकारियों को त्वरित एक्शन लेने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कॉलोनी में जो भी खुले में घरों के वेस्ट पानी को छोड़ रहे हैं उन्हें नोटिस जारी करते हुए कार्रवाई की जाए।

झज्जर। समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतें सुनते हुए डीसी प्रदीप दहिया। फोटो :हरिभूमि

न्यूज डायरी

डिजिटल दुनिया को सुरक्षित बनाने के लिए चलाया विशेष जागरूकता अभियान

झज्जर। सुबाना गांव में जागरूकता रैली निकालते हुए विभागीय टीम। फोटो :हरिभूमि

झज्जर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम विशाल के आदेशानुसार गांव सुबाना में विशेष साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम डिजिटल दुनिया को सुरक्षित बनाएं साइबर धोखाधड़ी के विरुद्ध जागरूकता एवं विधिक सहायता अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया। कार्यक्रम में साइबर अपराध शाखा और बैंकिंग विशेषज्ञों ने भाग लेकर ग्रामीणों को ओटीपी फ्रॉड, फिशिंग, वेबसाइट फ्रॉड, लिंक शेयरिंग, फर्जी कॉल और ऑनलाइन ठगी जैसे साइबर अपराधों की पहचान, उनके तरीके और उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दी। सीजेएम विशाल ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा इस पूरे माह जिले के विभिन्न स्थानों पर ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक लोग साइबर धोखाधड़ी की तकनीकों और बचाव के उपायों को समझ सकें।

केमिस्ट्री हब सेमिनार में छात्राओं ने दी पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन

झज्जर। महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में सोमवार को प्राचार्या डॉक्टर माधवी शर्मा की अध्यक्षता में कमिस्ट्री हब सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में रसायन विभाग की दस छात्राओं ने मुख्य विषय फोटो कैमिस्ट्री की मूल अवधारणाएं, सममिति तत्व और सममिति संचालन, फोटोकेमिकल्स कैनेटीक्स में लेजर का अनुप्रयोग, पैरामैग्नेटिज्म के लिए क्यूरी का नियम, पराबैंगनी और दृश्य स्पेक्ट्रोस्कोपी, पेरीसाइक्लिक प्रतिक्रिया, विद्युत चुम्बकीय विकिरण, विटामिन, संकरण आदि पर पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन की प्रस्तुति दी। प्राचार्या डॉक्टर माधवी शर्मा ने कहा कि प्रतिभागियों के व्यक्तित्व विकास के लिए पीपीटी के माध्यम से अभिव्यक्ति महत्वपूर्ण है। मंच का संचालन रसायन विभाग की छात्रा चाहत और हेमवती ने किया। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका विज्ञान विभाग की डॉक्टर मीनाक्षी व कोमल ने निभाई। इस दौरान डॉक्टर सुनीता, डॉक्टर महक, भारती, बरखा, लैब अटेंडेंट सुदेश और मीनाक्षी ने सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

हिमांशु जाखड़ को किया सम्मानित

झज्जर। सऊदी अरब के दमाम में आयोजित अंडर-18 एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप की भाला फेंक प्रतियोगिता में देश को स्वर्ण पदक दिलाने वाले खिलाड़ी हिमांशु जाखड़ को सोमवार को सम्मानित किया गया। एचडी सीनियर सैकेंडरी स्कूल साल्हावास के पूर्व छात्र हिमांशु जाखड़ को 51 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि से सम्मानित किया गया। इसके अलावा कोच नवीन जाखड़ को भी ग्यारह हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि भेंट की गई। साल्हावास गांव में आयोजित सम्मान समारोह में भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओपी धनखड़ ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। इस दौरान विशेष रूप से उपस्थित एचडी ग्रुप के डायरेक्टर रमेश गुलिया, सचिव विशाल नेहरा व हेमंत गुलिया उपस्थित रहे। इस दौरान सतगामा के प्रधान ब्रह्मानंद गुलिया, गहलावत खाप के प्रतिनिधि अशोक गहलावत तथा एचडी विद्यालय में हैंडबॉल खेल की नींव रखने वाले कोच रामभक्त जाखड़ ने भी हिमांशु को 11-11 हजार की प्रोत्साहन राशि देकर उसका उत्साह बढ़ाया।

देशव्यापी हड़ताल को सफल बनाने का आह्वान

बहादुरगढ़। एआईयूटीयूसी सहित देश की 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों, स्वतंत्र राष्ट्रीय फेडरेशनों व एसोशिएशनों ने 20 मई को सरकारी नीतियों के खिलाफ देशव्यापी हड़ताल का संयुक्त आह्वान किया है। एआईयूटीयूसी के जिला सचिव सतीश कुमार के अनुसार श्रमिकों-कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए यह देशव्यापी हड़ताल सफल होना जरूरी है। सतीश कुमार ने कहा कि केंद्र सरकार पूंजीवादी लूट को बढ़ाने के लिए सभी लोकतांत्रिक, वैधानिक मान्यताओं व श्रम अधिकारों को कुचल रही है। ट्रेड यूनियन अधिकारों को कुचलते हुए विरोध की हर आवाज को दबाने व मजदूरों से हड़ताल जैसे जनवादी अधिकारों को छीन रही है। केंद्र सरकार जो चार लेबर कोड लेकर आई है, उनसे उद्योगों में मजदूरों की छंटनी, ले-आफ, तालाबंदी व कारखाना बंदी करने के मामले बढ़ेंगे। अल्प अवधि रोजगार, रात्रि पाली में महिलाओं से ड्यूटी लेने, काम के घंटे बढ़ाने, ठेका श्रमिक अधिकारों की कटौती व फैक्ट्री की परिभाषा तक बदल दी गई है। ये लेबर कोड लागू होने से देश के अधिकांश औद्योगिक श्रमिक श्रम-कानूनों के दायरे से बाहर हो जाएंगे और मालिक-पूंजीपतियों की सरेआम मनमर्जी चलेगी। श्रमिकों को अपनी मांग पूरी करवाने के लिए हड़ताल करने व यूनियन बनाने पर अघोषित प्रतिबंध होगा। सप्ताह में काम के घण्टे 48 से बढ़कर 90 करने का षड्यंत्र रचा जा रहा है। एआईयूटीयूसी से जुड़ी तमाम यूनियन आगामी 20 मई को राष्ट्रव्यापी हड़ताल में पूरी ताकत से शामिल होंगी। एक मई को एआईयूटीयूसी सभी जिला मुख्यालयों पर धरना, प्रदर्शन व सभा आदि का आयोजन करेगी।

बाल विवाह कानूनन अपराध, इसके लिए जुर्माने व सजा दोनों का प्रावधान

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने निकाली जागरुकता रैली

- बाल विवाह की जानकारी होने पर तुरंत इसकी सूचना संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी को दें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। सोमवार को रैली निकालती आंगनबाड़ी वर्कर्स। फोटो :हरिभूमि

महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी सरोज बाला के नेतृत्व में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने बाल विवाह रोकथाम के लिए रैली निकाल कर लोगों को जागरूक किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झज्जर, महिला एवं बाल विकास विभाग, संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी तथा एमडीडी आफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में यह आयोजन हुआ। सीडीपीओ सरोज बाला ने कहा कि बाल विवाह कानूनन अपराध है। इसके लिए जुर्माने व सजा दोनों का प्रावधान है। बाल विवाह की जानकारी होने पर तुरंत इसकी सूचना संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी को दें ताकि उस लड़की को बाल विवाह से मुक्त कराया जा सके। महिला एवं बाल विकास विभाग बाल विवाह रोकने के लिए पूरी तरह मुस्तैद है। आंगनवाड़ी सुपरवाइजर नीलम ने कहा कि जागरूकतो से ही बाल विवाह मुक्त भारत का निर्माण होगा। सुनीता ने कहा कि बाल विवाह के चलते बच्चों से उनके अधिकार छिन जाते हैं। इसलिए हमें मिलकर बाल विवाह के खिलाफ लड़ाई लड़नी होगी। एमडीडी आफ इंडिया के जिला समन्वयक मनोज कुमार ने कहा कि यह एक गंभीर समस्या है, बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। रैली में मंजू, संजू व किरण समेत ब्लाक की 100 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता शामिल रही।

खबर संक्षेप

बहादुरगढ़। विद्यार्थियों को नियमों की जानकारी देते सतीश कुमार।

यातायात नियमों की जानकारी दी

बहादुरगढ़। सड़क सुरक्षा सेल प्रभारी सतीश कुमार ने ओमेक्स सिटी में स्थित सैंट स्टीफैन इंडियन स्कूल में छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा व यातायात नियमों के बारे में विद्यार्थियों को जागरुक किया। उन्होंने बताया कि सड़क पर यात्रा करते समय यातायात नियमों तथा सड़क सुरक्षा का विशेष ध्यान रखना चाहिए। वाहन सावधानीपूर्वक गति सीमा में ही चलाना चाहिए। इस दौरान फोन का इस्तेमाल ना करें और न ही ऊंची आवाज में संगीत बजाएं। गाड़ी पर रिफ्लेक्टर टेप जरूर लगी हो। इंडिकेटर का प्रयोग अवश्य करें। हेलमेट व सीट बेल्ट जरूर लगाएं।

सरसों व गेहूं की खरीद जारी

बहादुरगढ़। अनाज मंडी में सरसों और गेहूं की खरीद का क्रम जारी है। सोमवार को बहादुरगढ़ की अनाज मंडी में गेहूं के 2 गेट पास कटे और 59 क्विंटल फसल आई। इसमें से 32 क्विंटल सरकारी खरीद हुई। यहां 97 फीसद उठान हो चुका है। वहीं आसौदा में 41 गेट पास कटने के बाद 2794 क्विंटल फसल आई। जबकि 3327 क्विंटल खरीद हुई। बहादुरगढ़ की अनाजमंडी में सरसों के 6 गेट पास कटे और 58 क्विंटल फसल आई। जबकि 118 क्विंटल फसल खरीदी गई।

परशुराम जन्मोत्सव का निमंत्रण दिया

बहादुरगढ़। राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा सोमवार को पंडित लख्मीचंद धर्मशाला में पहुंचे। उन्होंने पंचकुला में 27 अप्रैल को भगवान परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में होने वाले कार्यक्रम का निमंत्रण दिया। इस मौके पर समिति अध्यक्ष प्रवीण कुमार शर्मा, संदीप कौशिक, पालेराम शर्मा, पूर्व विधायक नरेश कौशिक, हरिओम हरितस, मंजीत पाराशर, मामन राम, रमेश दीक्षित, रमेश कौशिक, अनिल, राजेश मकड़ोली, रमेश, बलराम, बंटी, हरिओम मुदगिल आदि मौजूद रहे।

झज्जर में प्रदर्शन किया, मांगों का ज्ञापन सौंपा

बंगाल में हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में विहिप उतरी सड़कों पर

जिला महामंत्री हरज्ञान ने लगाया आरोप राष्ट्र विरोधी तत्वों को निर्बाध रूप से अपने षडयंत्रों को क्रियांवित करने की खुली छूट दी जा रही है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। पश्चिम बंगाल हिंसा के विरोध में प्रदर्शन करते हुए विहिप कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

पश्चिम बंगाल में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में सोमवार को विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने शहर में प्रदर्शन किया और अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन भी सौंपा।

विश्व हिंदू परिषद के जिला महामंत्री हरज्ञान ने बताया कि वक्फ कानून के विरोध की आड़ में संपूर्ण बंगाल को जिस प्रकार हिंसा की आग में जलाया जा रहा है, हिंदुओं को प्रताड़ित किया जा रहा है, राष्ट्र विरोधी और हिंदू विरोधी तत्वों को निर्बाध रूप से अपने षडयंत्रों को क्रियांवित करने की खुली छूट दी जा रही है, उससे स्पष्ट लगता है कि पश्चिम बंगाल की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि मुर्शिदाबाद से प्रारंभ हुई यह भीषण हिंसा अब संपूर्ण बंगाल में फैलती हुई दिखाई दे रही है। शासकीय तंत्र दंगाइयों के सामने केवल निष्क्रिय साबित हो रहा है। इससे पहले कि स्थिति नियंत्रण से बाहर हो जाए, केंद्र सरकार को प्रशासन का नियंत्रण व संचालन अपने हाथ में लेकर राष्ट्र विरोधी व हिंदू विरोधी तत्वों को कठोर सजा दिलवानी चाहिए। इस दौरान जिला संरक्षक जगदीश, नगर मंत्री लवली शर्मा, विभाग मंत्री सुभाष, विभाग मंत्री पीतांबर सहित अन्य भी मौजूद रहे।

ये हैं प्रमुख मांगें

- विहिप द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में ये मांगें रखी गई हैं।
- पश्चिम बंगाल में अविलंब राष्ट्रपति शासन लगाया जाए।
- हिंसा की जांच एनआईए के द्वारा करवाई जाए और दोषियों को अविलंब दंडित किया जाए।
- पश्चिम बंगाल की कानून व्यवस्था का संचालन केंद्रीय सुरक्षा बलों के हाथों में दिया जाए।
- बांग्लादेशी व रोहिंग्या घुसपैठियों की पहचान कर उनको निष्कासित किया जाए।
- बंगाल व बांग्लादेश की 450 किलोमीटर की सीमा पर तार लगाने का काम अविलंब किया जाए।

संस्कारम् के विद्यार्थियों ने जेईई मेंस में लहराया परचम

झज्जर। संस्कारम पब्लिक स्कूल खातीवास के नौ विद्यार्थियों ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से आयोजित जेईई मेंस परीक्षा में उत्कृष्ट परसेंटाइल के साथ सफलता हासिल की है। संस्कारम् ग्रुप के चेयरमैन डॉक्टर महिपाल ने बताया कि उनके संस्थान के शुभम कौशिक ने 99.85 परसेंटाइल, समीर ने 97.46 परसेंटाइल, तनिष्क ने 97.3 परसेंटाइल, शुभम यादव ने 96.34 परसेंटाइल, अर्पित ने 94.90 परसेंटाइल, लावन्या ने 94.8 परसेंटाइल, पायल 90.71 परसेंटाइल, मुस्कान ने 90.69 परसेंटाइल, तक्षिका ने 87.94 परसेंटाइल प्राप्त कर स्कूल का नाम रोशन किया है। विषयवार परसेंटाइल के हिसाब से फिजिक्स में 99.98, कैमिस्ट्री में 99.39 व मैथ्स में 99.57 अधिकतम परसेंटाइल के साथ संस्कारम् संस्थान ने रिकॉर्ड कायम किया है। सफलता का श्रेय अपने शिक्षकों व अभिभावकों को दिया।

संस्कारम विश्वविद्यालय ने आरके लाइफ साइंस के साथ साइन किया एमओयू

झज्जर। संस्कारम विश्वविद्यालय के फार्मेसी विद्यार्थियों ने प्रमुख फार्मास्युटिकल कंपनी आरके लाइफ साइंस का शैक्षणिक दौरा किया। इस दौरे का उद्देश्य विद्यार्थियों को उद्योग की वास्तविकताओं से परिचित कराना और उन्हें व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना था। इस दौरान जहां विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रयोगशालाओं, उत्पादन इकाइयों और गुणवत्ता नियंत्रण विभागों का अवलोकन किया वहीं कंपनी के विशेषज्ञों ने उन्हें फार्मास्युटिकल निर्माण की आधुनिक तकनीकों, मानकों और गुणवत्ता नियंत्रण की प्रक्रियाओं की जानकारी दी। इस बीच संस्कारम विश्वविद्यालय और आरके लाइफ साइंस के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए गए। इस एमओयू के अंतर्गत विद्यार्थियों को प्रशिक्षण, इंटर्नशिप, अनुसंधान परियोजनाओं और संभावित रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। यह सहयोग उद्योग और शिक्षा के बीच एक सशक्त सेतु का निर्माण करेगा।

संस्कारम विश्वविद्यालय के चांसलर डॉक्टर महिपाल ने कहा कि उनका उद्देश्य विद्यार्थियों को न केवल शैक्षणिक रूप से समृद्ध बनाना है, बल्कि उन्हें व्यावहारिक और औद्योगिक दृष्टिकोण से भी सक्षम बनाना है। यह एमओयू हमारे शैक्षणिक दृष्टिकोण को नई ऊंचाइयां प्रदान करेगा और विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर की तैयारी में सहायक होगा।

झज्जर। साइन किया एमओयू दिखाते हुए कंपनी एवं संस्कारम् के प्रतिनिधि। फोटो : हरिभूमि

रेखाचित्र के माध्यम से दिया पृथ्वी को हरा भरा रखने का संदेश

झज्जर। क्षेत्र के गांव भदाना की चौपाल में पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में भूगोल प्राध्यापक मुकेश शर्मा व अंशुल शर्मा ने पृथ्वी का विशाल रेखाचित्र बनाकर उसे हरा भरा रखने का संदेश दिया। मुकेश शर्मा ने बताया कि पृथ्वी दिवस हर वर्ष 22 अप्रैल को मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने के पीछे सभी मानव जगत को आने वाले संकट से अवगत कराना है। इस चौपाल रंगोली में बबीता शर्मा, केशव शर्मा, देवीदत्त शर्मा, सुभाष शर्मा, अर्जुन शर्मा, अलीशा शर्मा सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

छारा कॉलेज में मनाया सिविल सर्विस डे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

सोमवार को छारा के चौधरी हरद्वारी लाल राजकीय महाविद्यालय में कार्यकारी प्रिंसिपल डॉ. अनीता दलाल के दिशानिर्देशन में राजनीतिक विज्ञान, लोक प्रशासन विभाग और प्लेसमेंट सेल ने मिलकर 'सिविल सर्विस डे' मनाया। इस अवसर पर एक विस्तार व्याख्यान का आयोजन करवाया गया।

राजनीतिक विज्ञान विभाग के अध्यक्ष मोहित, प्लेसमेंट सेल के इंचार्ज डॉ अश्वनी कुमार और लोक प्रशासन विभाग की डॉ ललिता द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बच्चों ने उत्साह से भाग लिया। असिस्टेंट प्रोफेसर मोहित ने बताया कि सिविल सर्विस डे की शुरुआत भारत में 21 अप्रैल को हुई, क्योंकि इसी दिन 1947 में तत्कालीन गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने प्रोबेशनल सिविल सर्वेंट्स को संबोधित करते हुए सिविल सेवाओं को 'भारत का स्टील फ्रेम' कहा था। फिर 2006 से आधिकारिक तौर पर इसे सिविल सर्विस डे के रूप में मनाया जाने लगा।

डॉ. अश्वनी कुमार ने बताया कि डिजिटल गवर्नेंस, ई-गवर्नमेंट पहल, और तकनीकी प्रगति के दौर में सिविल सेवकों की भूमिका बदल रही है। सिविल सर्विस डे प्रशासन में नवाचार, जैसे स्मार्ट गवर्नेंस और डेटा-आधारित निर्णय लेने को बढ़ावा देने का अवसर प्रदान करता है।

डॉ. ललिता ने 'डिजिटल युग मे भारतीय सिविल सेवा की उभरती भूमिकाः एक चुनौती और अवसर' विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का भी आयोजन करवाया। इसमें प्रथम स्थान प्रियांशु ने, दूसरा स्थान निशा, और तीसरा स्थान गुंजन ने पाया। सभी विजेताओं को सर्टिफिकेट और किताबें देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ संजय देसवाल, देवेंद्र, मोनिका, डॉ मनोज कुमार, मंजू मलिक, ज्योति, डॉ जयंत, विजय व प्रवीन दलाल आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित छारा कॉलेज के विद्यार्थी।

एमआईई की फैक्ट्री में चोरी

बहादुरगढ़। शहर के आधुनिक औद्योगिक संपदा के पार्ट-टू में स्थित एक फैक्ट्री में चोर घुस गए। ताला तोड़कर वहां रखा स्टील का काफी सामान चुरा ले गए। इतना ही नहीं वहां लगे सीसीटीवी कैमरे भी तोड़ दिए। दरअसल, एमआईई में स्थित आरती हैल्थकेयर फैक्टी में चोरी हो गई। अज्ञात चोरों ने मेन गेट का ताला तोड़कर 3 कैप्सूल भरने वाली मशीनें, एक इलेक्ट्रानिक तराजू, एक इनवर्टर और बैटरी, एक एसएस टैंक, 3 एलपीजी सिलेंडर, 5 स्टील के स्टूल, स्टील के बर्तन, 3 गैस सटोव भट्टी समेत अन्य पार्ट्स चुरा लिए। इतना ही नहीं फैक्ट्री के अंदर व बाहर लगे सभी सीसीटीवी कैमरे भी तोड़ दिए। हालांकि इस दौरान बच गए एक-दो कैमरों में 2 चोरों के चेहरे भी साफ दिख रहे हैं। चोर एक ट्रक में सारा सामान डालकर फरार हो गए। पुलिस ने बीएनएस की धारा 331(4) और 305 के तहत अभियोग दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

प्रिंस ने जीती इतिहास मानचित्र स्पर्धा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

राजकीय महाविद्यालय बहादुरगढ़ में प्राचार्य सुमन हुड्डा की अध्यक्षता में इतिहास विभाग द्वारा इतिहास मानचित्र प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इतिहास विभागाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह के निर्देशन में हिस्ट्री लिविंग सोसायटी के सदस्य विद्यार्थियों के सहयोग से यह कार्यक्रम हुआ।

भारत में हड़प्पा सभ्यता का विस्तार, हरियाणा में हड़प्पा सभ्यता का विस्तार तथा मध्यकाल में शहरी केंद्र विषयों पर प्रतियोगिता हुई। प्रतियोगिता में प्रिंस ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

द्वितीय स्थान पर हर्ष कुमार तथा तृतीय स्थान पर हर्ष पांडे रहा। सांत्वना पुरस्कार रोहित को मिला। विजेता विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्राचार्य सुमन हुड्डा ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिता में भाग लेने से विद्यार्थियों में ऐतिहासिक व भौगोलिक ज्ञान बढ़ता है। विभागाध्यक्ष भूपेंद्र ने कहा कि भारत व हरियाणा के ऐतिहासिक स्थलों को जानने में मानचित्र का विशेष योगदान है। इस अवसर पर प्रो राजीव दहिया, प्रो अमित छिकारा, प्रो विकास शौकीन, प्रो नीरज सोलंकी, प्रो प्रदीप मलिक, प्रो किरण बाला, प्रो निशा, प्रो सीमा व प्रो सरला आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते कॉलेज स्टॉफ। फोटो : हरिभूमि

बीईओ को पदोन्नति पर दी विदाई

बहादुरगढ़। प्रदेश सरकार ने कई खंड शिक्षा अधिकारियों को पदोन्नत कर उप जिला शिक्षा अधिकारी बनाया है। इन पदोन्नति पाने वाले 46 खण्ड शिक्षा अधिकारियों में बहादुरगढ़ की बीईओ मुन्नी सहारण भी हैं। उन्हें रोहतक का उप जिला शिक्षा अधिकारी नियुक्त किया गया है। दरअसल, मुन्नी सहारण पिछले दो वर्षों से बहादुरगढ़ में बीईओ के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने एक्टिविटी पीटीएम की शुरूआत आसौदा से की थी, जिसे शिक्षा विभाग ने बाद में पूरे प्रदेश में लागू किया। इनकी पदोन्नति पर राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रदीप राठी, सुरेश सैनी, रवि धनखड़, संजय राठी, राजीव कटारिया, प्रमोद शर्मा, कर्मबीर तहलान, कप्तान सिंह, ऋषि सहरावत, संजय मलिक, पूनम मक्कड़, प्रवीण दहिया, मंजू रानी, अंजू शर्मा, मूर्ति देवी, सीमा शर्मा, सरोज देवी व संतोष देवी आदि ने उन्हें स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। स्कूल प्रबंधक आनंद स्वरूप गुप्ता, आनंद पंवार, सतीश शर्मा के साथ जयपाल, कर्ण सिंह, प्रवीण, तस्वीर, सोनिया शर्मा, संजय, कविता सहरावत आदि ने उन्हें उपहार भेंट किए।

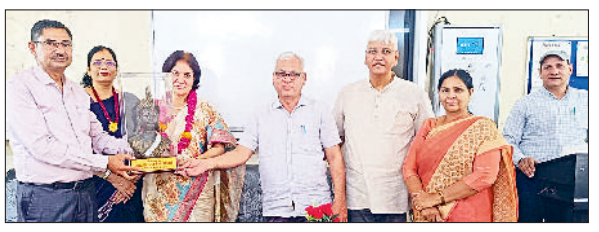

बहादुरगढ़। बीईओ मुन्नी सहारण को विदाई देते स्टॉफ सदस्य। फोटो : हरिभूमि

गांव के जोहड़ में मिला तीन दिन से लापता व्यक्ति का शव

झज्जर। अस्पताल परिसर में पोस्टमार्टम के लिए कागजी कार्रवाई करते हुए पुलिसकर्मी। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। क्षेत्र के गांव कलोई से तीन दिन पहले लापता व्यक्ति का शव गांव के ही जोहड़ में मिला है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंच कर ग्रामीणों से मामले की जानकारी लेते हुए शव को जोहड़ से बाहर निकलवाकर उसे पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल भिजवाया। मृतक की पहचान कलोई गांव निवासी करीब 46 वर्षीय विक्रांत सिंह पुत्र आजाद सिंह के तौर पर हुई है। मामले के जांच अधिकारी युद्धवीर सिंह ने बताया कि विक्रांत शराब का आदी था। वह दो पुत्रों का पिता था।

परिजनों द्वारा करीब तीन माह पहले उसे नशामुक्ति केंद्र में भी भर्ती कराया था। वह पहले भी कई-कई दिनों के लिए घर से चला जाता था जो बाद में वापिस लौट आता था। बीती 18 अप्रैल से भी वह घर से लापता था। सोमवार की सुबह जब ग्रामीणों ने जोहड़ में उसका शव तैरते देखा तो इसकी सूचना पुलिस को दी गई। अनुमान लगाया जा रहा है कि विक्रांत सिंह की तीन दिन पहले ही जोहड़ में पांव फिसलने से मौत हो गई। मृतक के पुत्र चिराग के बयान पर इत्तिफाकिया कार्रवाई अमल में लाई गई है। पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

गुरुग्राम, नोएडा और प्रयागराज में बीआरजी का दबदबा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बीआरजी (बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप) के धावकों ने गुरुग्राम, नोएडा और प्रयागराज में आयोजित दौड़ों में शानदार प्रदर्शन कर हरियाणा का नाम रोशन किया। प्रयागराज में हुई 10 किलोमीटर ओपन दौड़ में बीआरजी के शलभ खरे ने प्रथम स्थान हासिल किया। उनके साथ त्रिलोक और अभिजीत ने भी दौड़ लगाई। नोएडा में आयोजित दौड़ में गुलाब सिंह ने 10 किलोमीटर ओपन दौड़ में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

राजेश रघुवंशी ने 50 प्लस में तीसरा स्थान प्राप्त किया। राजेंद्र सिंह ने 5 किलोमीटर 50 प्लस आयुवर्ग में प्रथम और शमशेर सिंह ने द्वितीय स्थान पाया। गुरुग्राम में आयोजित अनंतराज 10के चैलेंज में कुल 1200 धावकों ने हिस्सा लिया। जिनमें बीआरजी के 75 से अधिक धावक शामिल थे। टीम लीडर दीपक छिल्लर ने बताया कि महेंद्र ने 5 मील ओपन लड़कों में पहला स्थान, हीना फौगाट ने लड़कियों में द्वितीय स्थान, संजू सैनी ने पहला स्थान, नरेंद्र जांगड़ा ने 30 प्लस आयु वर्ग में तृतीय स्थान, विहान छिल्लर ने अंडर–18 में प्रथम स्थान, तनय कलकल ने तृतीय स्थान, धर्मवीर ने 45 प्लस में प्रथम स्थान, किरण नरूला ने 35 प्लस में प्रथम स्थान, सरिता दास ने 45 प्लस में तीसरा स्थान पाया। बच्चों की एक मील दौड़ में भी बीआरजी के सुनाक्ष ने प्रथम और पक्ष ने द्वितीय स्थान हासिल किया।

नीरज छिल्लर, सुदेश तोमर, अजय, धर्मवीर सेन, अभिषेक माथुर, अमृत कौर, अनुराग, अरुण विजयरान, वैभव छिल्लर, नितिमा कौशिक, राजेश कुमार, सुबोध, कौशल शर्मा, मंजीत, राकेश, रमेश, संदीप, सुनील, पी गिरीश, रजत कौशिक, रत्नेश, श्याम, विजय, राजपाल, राजेश, वेद प्रकाश, रविंद्र दहिया, अथर्व कौशिक, अवनि, गौरव, एंटोनी, प्रीति, संजू सैनी, रोहतास व नवीन आदि ने दौड़ लगाई।

बहादुरगढ़। दौड़ के बाद बीआरजी के विजेता व प्रतिभागी धावक। फोटो : हरिभूमि

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900